Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 25-08-2005

Participants : Rawale Shri Mohan

>

Title : Situation arising out of devastating fire that broke out in Mumbai High North Platform of ONGC on 25.08.2005.

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण-मध्य) : महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि मैंने इससे पहले भी यह मुद्दा उठाया था और यह बहुत ही गंभीर मामला है। ओएनजीसी के प्लेटफार्म में आग लगी थी और जिस तरह से मंत्री महोदय ने जबाव दिया, वह बहुत ही संदेहास्पद है। मैंने उनसे पूछा था कि एन-7 में जो घायल व्यक्ति था, वह कौन था? वह जिंदा है या मर गया है। उसके हाथ में चोट आई थी और एन-7 और बीएचएनएल दोनों प्लेटफार्म दूर-दूर हैं और बीएचएनएल जो हाई नार्थ का प्लेटफार्म है उसमें हेलिकाप्टर था और वह घायल व्यक्ति ओएनजीसी का है या कांट्रेक्टर का है, यह इस सदन को नहीं बताया गया है। उस घायल को ले जाने के लिए मल्टी परपस सपोर्ट वैसल एन-7 पर गई। वह बोट एन-7 से घायल व्यक्ति को लेकर किनारे पर भी जा सकती थी, वह बोट किनारे पर क्यों नहीं गई और उन्होंने बताया कि बीएचएनएल प्लेट फार्म से वह टकरा गई। मैं इस सदन को बताना चाहता हूं कि यह एक बहुत बड़ा ाड्यंत्र है। वह बोट वहां नहीं डूबी जहां 72 मीटर गहरा पानी था और बाद में जहां 22 मीटर गहरा पानी था, वहां बोट कैसे डूब गई? इसलिए मैं बताना चाहता हूं कि जो लोग उस दुर्घटना में बच गए, मैं स्वयं उनसे मिला हूं। उन्होंने मुझे बताया है कि वहां पन्द्रह मिनट पहले हैड्रोफाइल बोट जा रही थी। वह सबमेरीन हैड्रोफाइल बोट थी, जिससे टारपिडो मार सकते हैं। एक टारपिडो इंजन पर मारा गया, जिस कारण इंजन में पानी आ गया और दूसरा टारपिडो राइजर पर मारा गया, जिससे आग लग गई। मंत्री जी ने ऐसा जबाव दिया कि :-

> "There was a sudden rise and unexpected swell which threw this vessel totally unexpectedly and totally unprecedentedly. It went out of the range and it was the lower part of the MSV which seems to have smashed against the platform. "

जब इंजन इतना पावरफुल था तो वह पोजिशन क्यों नहीं ले सका। यह बोट यूएस नेवी की हैड्रोफाइल सबमैरीन बोट थी। मैं कहना चाहता हूं कि यह सब एक ाड्यंत्र के तहत हुआ है। इसकी पब्लिकली न्यायिक जांच होनी चाहिए कि कौन-सा देश इसके पीछे है और सरकार क्यों चुप बैठी cè[i26]?

सभापति जी, सरकार तथ्यों को छुपाना चाहती है। इसलिए मैं पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री, श्री मणि शंकर अय्यर के रैजिगनेशन की मांग कर रहा हूं। वहां 11 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई, दो घंटे में सारा प्लेटफॉर्म जलकर राख हो गया और 11 व्यक्तियों का पता नहीं है। क्या वे अब तक जिन्दा होंगे ? मुझे नहीं लगता।अतः मैं आपके माध्यम से हम्बल रिक्वैस्ट करता हूं कि इस मामले की जुडीशियल इन्क वायरी होनी चाहिए और मैं मांग करता हूं कि पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री, श्री मणि शंकर अय्यर इस्तीफा दें। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : ठीक है। आपका पाइंट आ गया। अब आप बैठिए।

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा भी जीरो आवर का नोटिस है। मैं भी बोलना चाहता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय : श्री रामदास आठवले, मैंने पहले आपको देखा था, लेकिन आप नहीं थे। अब छः बजे के बाद आपको समय देने पर विचार किया जाएगा।